MS – 130

18

IV Semester B.A. Examination, May 2016
(Semester Scheme)
(Repeaters) (2014-15 only)
LANGUAGE HINDI – IV
Khand Kavya, Lekhak Parichay and Translation

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

ST. CLARET COLLEGE LIBRARY

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए। **(1×10=10)**

   1) राजा निमि के कुल गुरु कौन थे ?

   2) मर्त्यलोक एवं स्वर्गलोक के बीच समय का कितना अंतर है ?

   3) जनक का असली नाम क्या था ?

   4) पिनाक धनुष किसने बनाया ?

   5) मय दानव के कितने पुत्र थे ?

   6) शव मन्थन के द्वारा निमि को कौनसा नया जन्म मिला ?

   7) महाराज निमि ने इन्द्र से क्या वरदान माँगा था ?

   8) कृषि के चार आधार कौन से हैं ?

   9) सीता द्वारा जयमाला थामे रहने से सभा में उपस्थित राम क्या सोचते हैं ?

   10) 'धनुष भंग' खण्डकाव्य में कौन समय बोध बनकर बैठा हैं ?

2. किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(8×3= 24)**

   क) कुलगुरु के परिवर्तित अन्तर्मन की स्थितियाँ
   यशलिप्सा से उत्तेजित जलती जिह्वाएँ,
   धरती की मिट्टी के प्रति इतना ओछापन,
   भोगभूमि के प्रति इतना अन्धा आकर्षण।

P.T.O.

ख) आज मेरी साधना को बल मिला है।
राम अपना सिर जरा नीचे झुका लें।
और तू जयमाल कुछ ऊपर उठा ले।
अब पलक को व्यर्थ दुख पहुँचा रहा हूँ,
खोल बेटी आँख, अब मैं जा रहा हूँ।

ग) अचानक थम गई चंचल हवाएँ,
धुँए से बँध गई चारों दिशाएँ ।
गगन को चीरकर आवाज़ आई,
लगा ऐसा किं धरती थरथराई।

घ) उजड़े-से, बुझे-बुझे-से यज्ञ कुण्ड के पास
बाढ में बहकर आए महावृक्ष-सा
बन्द मुट्ठियों में दो चुटकी धूल लिए
बिखरा-बिखरा-सा पड़ा हुआ है।

ङ) मैं धनुष को और हल को जानता हूँ,
हल जरा ऊपर उठे तो धनुष टूटेगा सुनिश्चित जगत में,
अन्तर्जगत में ये प्रतीकों को लिये है।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(16×2= 32)**

1) 'धनुष भंगा' खण्डकाव्य के द्वारा कवि जनमानस को क्या संदेशा देना चाहते हैं ?
2) राजा निमि का सपना किस तरह सच होता है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।
3) शिव धनुष की कहानी लिखिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(7×2= 14)**

1) गुरु वसिष्ठ
2) भूसुता
3) मिथिल

5. किसी **एक** साहित्यकार का परिचय लिखिए। **(10×1= 10)**

1) उषा प्रियवंदा

2) जगदीशचन्द्र माथुर

6. **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए । **(10×1= 10)**

Man does not live for himself alone. He lives for the good of others as well. Everyone has his duties to perform, the richest as well as the poorest. To some life is pleasure, to others suffering. But the best do not live for self enjoyment or even for fame. Their strongest motive power is to be hopeful and to do useful work to others. One has to cultivate the habit of thinking good of others and doing good to others. It is then a man can be happy for himself and make his surroundings also happy.

ಮಾನವನು ತನಗಾಗಿ ಮಾತ್ರ ಜೀವಿಸುವುದಿಲ್ಲ. ಅವನು ಬೇರೆಯವರ ಒಳಿತಿಗಾಗಿಯೂ ಬದುಕುತ್ತಾನೆ. ಶ್ರೀಮಂತನಾಗಲಿ, ಬಡವನಾಗಲಿ, ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬನು ತನ್ನ ಕರ್ತವ್ಯಗಳನ್ನು ನಿಭಾಯಿಸಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಕೆಲವರಿಗೆ ಬದುಕು ಸುಖಕರವಾಗಿದ್ದರೆ, ಕೆಲವರಿಗೆ ದುಃಖಮಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ಉತ್ತಮ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಸ್ವಂತ ಸುಖಕ್ಕಾಗಲೀ ಅಥವಾ ಕೀರ್ತಿಗಾಗಲಿ ಬದುಕುವುದಿಲ್ಲ. ಆಶಾವಾದಿಗಳಾಗಿರುವುದು ಬೇರೆಯವರಿಗೆ ಉಪಯೋಗವಾಗುವಂತೆ ಮಾಡುವುದೇ ಅವರ ಬದುಕಿನ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅನ್ಯರ ಒಳಿತಿನ ಬಗ್ಗೆ ಯೋಚಿಸುವುದು, ಅನ್ಯರಿಗೆ ಒಳಿತಾಗುವಂತೆ ನಡೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಅಭ್ಯಾಸ ಎಲ್ಲರೂ ಮಾಡಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಆಗ ಮಾತ್ರ ಮಾನವ ತಾನೂ ಸುಖವಾಗಿರಬಲ್ಲ ಮತ್ತು ತನ್ನ ಸುತ್ತಲಿನ ವಾತಾವರಣವನ್ನು ಸಹ ಸಂತೋಷವಾಗಿಡಬಲ್ಲ.